रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 229] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 1, 2007/अग्रहायण 10, 1929
No. 229] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 1, 2007/AGRAHAYANA 10, 1929

भारतीय उपचर्या परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2007

नवजात उपचर्या में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा—पाठ्यक्रम और विनियम

फा. सं. 11-1/2007-भा.उ.प.—भारतीय नर्सिंग परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का 48वां) के खण्ड 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय उपचर्या परिषद् एतद्द्वारा निम्न विनियम बनाती है :–

(1) **लघु शीर्ष तथा प्रवर्तन.**— इन विनियमों को पाठ्यक्रम और विनियम नवजात उपचर्या में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा, 2006 कहा जाएगा ।

(2) ये विनियम सत्र, 2006-2007 से प्रभावी होंगे ।

नवजात उपचर्या में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा शुरू करने के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत

इस कार्यक्रम की पेशकश निम्न में की जा सकती है :

(ए) ऐसे सरकारी (राज्य/केन्द्रीय/स्वायत्त) उपचर्या शिक्षण संस्थान जो उपचर्या में डिप्लोमा या डिग्री पाठ्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और जिनमें 'स्तर II/III नवजात यूनिटों' की मूल/संबंधनप्राप्त सरकारी अस्पताल सुविधाएं उपलब्ध हैं ।

अथवा

(बी) ऐसे अन्य गैर-सरकारी उपचर्या शिक्षण संस्थान जो उपचर्या में डिप्लोमा अथवा डिग्री कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और जिनमें 'स्तर II/III नवजात यूनिटों' की मूल अस्पताल सुविधाएं उपलब्ध हैं ।

अथवा

(सी) 250-500 शय्याओं वाले ऐसे अस्पताल जिनमें विशिष्ट स्तर II अथवा III नवजात यूनिट उपलब्ध हैं ।

मान्यता प्रदान करने की क्रियाविधि

1. नवजात उपचर्या में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा शुरू करने के इच्छुक किसी भी संस्थान को राज्य सरकार से अनापत्ति/अनिवार्यता प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा । जिन संस्थानों को उपचर्या में डिप्लोमा/डिग्री कार्यक्रम चलाने के लिए आई एन सी की मान्यता पहले से ही प्राप्त है उन्हें अनापत्ति/अनिवार्यता प्रमाणपत्र प्राप्त करने की जरूरत नहीं है।
2. यह उपचर्या पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए संस्थान से प्रस्ताव प्राप्त होने पर, भारतीय उपचर्या परिषद्, भौतिक आधारिक सुविधाओं, नैदानिक सुविधा और शिक्षण संकाय के संबंध में उपयुक्तता का जायजा लेने के लिए निरीक्षण करेगी जिससे कि कार्यक्रम शुरू करने के लिए अनुमति प्रदान की जा सके ।
3. उपचर्या कार्यक्रम शुरू करने के लिए भारतीय उपचर्या परिषद् से अनुमति प्राप्त होने के बाद संस्थान राज्य उपचर्या परिषद् तथा परीक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय की मंजूरी प्राप्त करेगा ।
4. संस्थान, राज्य उपचर्या परिषद् तथा परीक्षा बोर्ड/विश्वविद्यालय से मंजूरी प्राप्त कर लेने के बाद ही छात्रों का दाखिला करेगा ।
5. कार्यक्रम चलाने के लिए अनुमति को जारी रखने के वास्ते भारतीय उपचर्या परिषद्, लगातार दो वर्षों तक निरीक्षण करेगी ।

स्टाफ व्यवस्था

1. 1 : 5 के अनुपात में पूर्णकालिक शिक्षण संकाय

   अर्हताएं : बालचिकित्सा विशेषज्ञता सहित एम.एस.सी. उपचर्या

   अनुभव : कम से कम तीन वर्ष

2. *अतिथि संकाय :* संबंधित विशेषज्ञताओं में बहुविषयक्षेत्रीय

बजट

कार्यक्रम के लिए स्टाफ के वेतन, अंशकालिक अध्यापकों के मानदेय, लिपिकीय सहायता, पुस्तकालय तथा आपातिक व्यय के संबंध में संस्थान के समग्र बजट में बजटीय प्रावधान होना चाहिए ।

भौतिक सुविधाएं

1. क्लासरूम - 1
2. उपचर्या प्रयोगशाला - 1
3. पुस्तकालय - बाल चिकित्सा तथा नवजात उपचर्या में सामयिक उपचर्या पाठ्यपुस्तकों तथा पत्रिकाओं से युक्त चिकित्सीय/अस्पताल पुस्तकालय का प्रयोग करने की अनुमति ।
4. शिक्षण सहायक सामग्री - निम्न के प्रयोग की सुविधाएं
   - ओवरहैड प्रोजेक्टर
   - स्लाइड प्रोजेक्टर
   - वीसीपी अथवा वीसीआर सहित टीवी
   - एलसीडी प्रोजेक्टर
   - कम्प्यूटर
   - कौशल निदर्शन के लिए उपकरण (नवजात पुतले, रेसुसी शिशु, एम्ब्यूबैग तथा मास्क, देखभाल उपकरण आदि ।
5. कार्यालयी सुविधाएं
   - टाइपिस्ट, चपरासी, सफाई कर्मचारी की सेवाएं
   - निम्न जैसे कार्यालयी उपकरणों तथा आपूर्ति के लिए सुविधाएं
     - लेखन सामग्री
     - प्रिंटर सहित कम्प्यूटर
     - जीरोक्स मशीन/रिजोग्राफ
     - टेलीफोन तथा फैक्स

नैदानिक सुविधाएं

न्यूनतम शय्या क्षमता

- 250-500 शय्याएं तथा स्तर II/III एनआईसीयू सुविधा
- एनआईसीयू शय्याएं ≥ 10

दाखिले की शर्तें और उपबंध

पाठ्यक्रम में दाखिले के इच्छुक छात्र को :

1. पंजीकृत नर्स (आरएन अथवा आरएम) अथवा समतुल्य होना चाहिए ।
2. उसके पास स्टाफ नर्स के रूप में कम से कम एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए ।
3. दूसरे देशों की नर्सों के लिए दाखिले से पूर्व समतुल्यता प्रमाणपत्र प्राप्त करना जरूरी है।
4. शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए ।
5. सीटों की संख्या
   - 250-500 शय्याओं वाले अस्पताल में (10 एन आई सी यू शय्याएं), सीटों की संख्या = 5-10
   - 500 से अधिक शय्याओं वाले अस्पताल में (120 या इससे अधिक एनआईसीयू शय्याएं) सीटों की संख्या = 10-20

पाठ्यक्रम का विन्यास

I. **अवधि :** पाठ्यक्रम की अवधि एक शैक्षणिक वर्ष है

II. **पाठ्यक्रम का विभाजन :**

1. शिक्षण : सिद्धांत और नैदानिक अभ्यास	42 सप्ताह
2. स्थानबद्ध प्रशिक्षण	4 सप्ताह
3. परीक्षा (तैयारी सहित)	2 सप्ताह
4. छुट्टियां	2 सप्ताह
5. सार्वजनिक अवकाश	2 सप्ताह
	52 सप्ताह

III. **पाठ्यक्रम के उद्देश्य**

सामान्य उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र, नवजात उपचर्या में दर्शन, सिद्धांतों, विधियों तथा मुद्दों, प्रबंध, शिक्षा और अनुसंधान की समझ विकसित करने में सक्षम हो जाएगा । इसके अलावा यह पाठ्यक्रम छात्रों को सक्षम नवजात उपचर्यात्मक देखभाल प्रदान करने के वास्ते कौशल और अभिवृत्ति विकसित करने में समर्थ बना देगा ।

विशिष्ट उद्देश्य

पाठ्यक्रम समाप्त होने पर छात्र निम्न कार्यों में समर्थ हो जाएगा :

1. नवजात उपचर्या की अवधारणाओं और सिद्धांतों का वर्णन करना ।
2. प्रभावी रूप से बातचीत करना, सक्रिय रूप से परिवार-शिशु संबंध पल्लवित करना।
3. अनिवार्य नवजात देखभाल प्रदान करने में कौशल का परिचय देना।
4. नवजात उन्नत जीवन सहायता कौशलों का परिचय देना।
5. गहन देखभाल प्राप्त कर रहे नवजातों की देखभाल करने में उपचर्यात्मक प्रक्रियाएं लागू करना।
6. स्वास्थ्य दल के एक सदस्य के रूप में प्रभावी रूप से हिस्सा लेना।
7. नवजात सेवाओं का आयोजन करना और उनकी व्यवस्था में कौशलों का परिचय देना।
8. स्तर II तथा III नवजात यूनिटों के आयोजन के लिए एक योजना बनाना।
9. नवजात उपचर्या में अनुसंधान करना।
10. नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य कार्मिकों को पढ़ाना और उनका पर्यवेक्षण करना।

IV. पाठ्यचर्या

	सिद्धांत	प्रायोगिक
1. नैदानिक उपचर्या–I (आधारिक पाठ्यक्रम सहित)	155 घण्टे	एकीकृत नैदानिक अभ्यास
2. नैदानिक उपचर्या–II	155 घण्टे	–
3. पर्यवेक्षण और प्रबंध, नैदानिक शिक्षण, प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी		1280 घण्टे
(i) पर्यवेक्षण और प्रबंध	30 घण्टे	
(ii) नैदानिक शिक्षण	30 घण्टे	
(iii) प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी	30 घण्टे	
4. स्थानबद्ध प्रशिक्षण		160 घण्टे
योग 400 घण्टे		1440 घण्टे

- सिद्धांत और अभ्यास के लिए घण्टों का विभाजन
  42 सप्ताह × 40 घण्टे/सप्ताह
  = 1680 घण्टे
- ब्लाक कक्षाएं 4 सप्ताह × 40 घण्टे/सप्ताह
  = 160 घण्टे
- एकीकृत सिद्धांत और नैदानिक अभ्यास
  38 सप्ताह × 40 घण्टे/सप्ताह
  =1520 घण्टे

—(सिद्धांत 400 घण्टे)* सिद्धांत 6 घण्टे/सप्ताह
= 38 सप्ताह × 6 घण्टे/सप्ताह
= 240 घण्टे

—नैदानिक अनुभव : 34 घण्टे/सप्ताह
38 सप्ताह × 34 घण्टे/सप्ताह
= 1280 घण्टे

- स्थानबद्ध प्रशिक्षण : 4 सप्ताह × 40 घण्टे
  = 160 घण्टे

V. नैदानिक अनुभव

ऐसे क्षेत्र जिनमें नैदानिक अनुभव प्राप्त करना जरूरी है।

***नवजात सेवाएं**

[प्रसव कक्ष (4 सप्ताह), प्रसवोत्तर वार्ड (4 सप्ताह), नवजात यूनिट—एनआईसीयू (24 सप्ताह), बाल चिकित्सा शल्यक्रिया एनआईसीयू (2 सप्ताह), समुदाय/अनुवर्ती सेवाएं/क्लीनिक (4 सप्ताह), *सभी पारियां]

*2 सप्ताह सायं और 2 सप्ताह रात्रि

VI. परीक्षा योजना

	आंतरिक आकलन अंक	बाह्य आकलन अंक	कुल अंक	अवधि (घंटों में)
1	2	3	4	
ए. सिद्धांत				
प्रश्नपत्र—I नैदानिक उपचर्या—I	50	150	200	3
प्रश्नपत्र II—नैदानिक उपचर्या—II	50	150	200	3
प्रश्नपत्र III—पर्यवेक्षण और प्रबंध, नैदानिक शिक्षण, प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी	50	150	200	3
बी. प्रायोगिक				
नैदानिक उपचर्या (शिक्षण और पर्यवेक्षण को समाकलित कर दिया जाए)	100	100	200	
सकल योग	250	550	800	

सी. परीक्षा में बैठने के लिए शर्तें

छात्र ने :

1. वर्ष के दौरान प्रत्येक विषय में सैद्धांतिक शिक्षण घण्टों के कम से कम 75 % घण्टे उपस्थित रहा हो।
2. कम से कम 75 % नैदानिक प्रायोगिक घण्टे काम किया हो। तथापि छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने से पूर्व यह जरूरी है कि उन्होंने घण्टों और क्रियाकलापों के अर्थों में एकीकृत अभ्यास अनुभव और स्थानबद्ध प्रशिक्षण में 100 % हिस्सा लिया हो।

VII. परीक्षा

परीक्षा, राज्य उपचर्या पंजीकरण परिषद्/राज्य उपचर्या परीक्षा बोर्ड/भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा मान्यताप्रदत्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाएगी।

VII. पास होने के मानक

1. पास होने के लिए जरूरी है कि अभ्यर्थी ने प्रत्येक सैद्धांतिक प्रायोगिक आंतरिक आकलन और बाह्य आकलन में तथा प्रश्नपत्रों में अलग-अलग कम से कम 50 % अंक प्राप्त किए हों।
2. (क) 60% से कम पर दूसरी श्रेणी होती है।
   (ख) 60% तथा उससे अधिक किन्तु 75% से कम पर प्रथम श्रेणी होती है।
   (ग) 75% तथा इससे अधिक पर विशेष योग्यता होती है।
3. छात्रों को परीक्षा पास करने के लिए अधिक से अधिक तीन अवसर प्रदान किए जाएंगे।

IX. प्रमाणपत्र

ए. **नाम**—नवजात उपचर्या में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा

बी. निर्धारित अध्ययन कार्यक्रम की सफल पूर्ति हो जाने पर एक डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा जिसमें इन बातों का उल्लेख होगा कि :

(i) अभ्यर्थी ने नवजात उपचर्या में निर्धारित पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है।

(ii) अभ्यर्थी ने निर्धारित नैदानिक अनुभव प्राप्त कर लिया है।

(iii) अभ्यर्थी ने निर्धारित परीक्षा पास कर ली है।

नैदानिक उपचर्या I

(आधारिक पाठ्यक्रमों सहित)

विवरण

यह पाठ्यक्रम नवजात के पुनरुज्जीवन सहित संबंधित शरीरवैज्ञानिक और व्यवहारपरक विज्ञानों तथा प्रासविक और नवजात उपचर्या के सिद्धांतों की समझ विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम पूरा होने के पश्चात् छात्र निम्न में समर्थ हो जाएंगे :

1. नवजात उपचर्या में यथाप्रवर्तित व्यवहारपरक, शरीरवैज्ञानिक तथा उपचर्या विज्ञानों के सिद्धांतों का वर्णन करना।
2. प्रसव-पूर्व तथा प्रसवकालीन अवधियों के दौरान माताओं तथा भ्रूणों में विचलनों का पता लगाना।
3. गर्भ धारण से लेकर पूरी अवधि तक भ्रूण का विकास स्पष्ट करना।
4. उच्च जोखिम वाले नवजातों के निवारण और देखभाल में नर्स की भूमिका का वर्णन करना।
5. नवजात उपचर्या की अवधारणाएं और सिद्धांत समझाना।
6. नवजात उन्नत जीवन सहायता निष्पादित करना।
7. नवजात देखभाल के स्तरों तथा नर्स की भूमिका का वर्णन करना।
8. नवजात देखभाल के संदर्भ में उपचर्यात्मक प्रक्रिया का वर्णन करना।
9. प्रसव-पूर्व तथा प्रसवकालीन अवधियों के दौरान होने वाले शारीरिक, शरीरक्रियावैज्ञानिक तथा भावनात्मक बदलावों का वर्णन करना।

विषय	घण्टे	अंतर्वस्तु
यूनिट I	10	**मनोविज्ञान** ☐ समीक्षा ● वैयाक्तिक भिन्नताएं ● अधिगम, प्रेरण, ध्यान और बोध ● संवेग ● संकट के समय मानवीय व्यवहार और जरूरतें ● दबाव तथा संकटपूर्ण स्थितियों में उससे निपटना ● नेतृत्व ● संचार और आईपीआर ● परामर्श ● अभिवृत्तियां तथा देखभाल को मानवीय रूप देना
यूनिट II	10	**समाज विज्ञान** ☐ समीक्षा ● सामाजिक गठन तथा सामुदायिक संसाधन ● समुदाय में नेतृत्व भूमिकाएं ● परिवार और पारिवारिक संबंध ● बाल पोषण पर सामाजिक सांस्कृतिक प्रभाव
यूनिट III	10	**सूक्ष्म जीव विज्ञान** ☐ समीक्षा ● प्रतिरक्षा ● संक्रमण ● अपूति, बंध्यीकरण और विसंक्रमण के सिद्धांत ● सूक्ष्मजीवविज्ञान में नैदानिक परीक्षण और संबंधित नर्स की जिम्मेदारी ● मानक सुरक्षोपाय तथा जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंध
यूनिट IV	20	**अनुप्रयुक्त शरीररचना विज्ञान तथा शरीरक्रियाविज्ञान** ☐ समीक्षा ● तंत्रिकावैज्ञानिक तंत्र ● श्वसन तंत्र ● हृदवाहिका तंत्र ● जठरांत्र तंत्र ● अंत:स्रावी तंत्र ● पेशीकंकाल तंत्र ● जननमूत्र तंत्र ● प्रजनन तंत्र ● संवेदी अंग
यूनिट IV	10	**भ्रूणविज्ञान** ☐ गर्भधारण से लेकर जन्म तक भ्रूण का विकास ☐ भ्रूण परिसंचरण
यूनिट VI	10	**फार्माकोलाजी** ☐ समीक्षा ● भेषजगतिविज्ञान ● वेदनाहर/शोथविरोधी पदार्थ ● प्रतिजीवी, पूतिरोधी ● दवाओं की अभिक्रिया तथा विषालुता ● नवजात पुनरुज्जीवन में प्रयुक्त दवाएं ● रुधिर और रुधिर घटक ● दवाएं देने के सिद्धांत, नर्सों की भूमिका और दवाओं की देखभाल

विषय	घण्टे	अंतर्वस्तु
यूनिट VII	10	**आनुवंशिकी**
		☐ आनुवंशिकी और आनुवंशिकता का अर्थ
		☐ वंशागति की मैंडल नियम
		☐ जीनी विकार
		● गुणसूत्री त्रुटियां
		● चयापचय की जन्मजात त्रुटियां
		● बहुघटकीय त्रुटिया
		● [दात्रलोहितकोशिका अरक्तता (थैलासीमिया, हीमोफिलिया)]
		☐ आनुवंशिक परामर्श
		☐ आनुवंशिक परामर्श में नर्सों की भूमिका
यूनिट VIII	30	**सामुदायिक स्वास्थ्य**
		☐ जनसांख्यिकी और परिवार कल्याण
		● परिभाषा, अर्थ, जनसंख्या प्रवृत्तियां—वैश्विक तथा भारतीय
		● मातृ और बाल स्वास्थ्य सेवाएं और कार्यक्रम
		● सेवाओं का आयोजन
		● सीएसएसएम/आरसीएच
		● परिवार कल्याण कार्यक्रम
यूनिट IX	30	**प्रसूति विज्ञान**
		☐ समीक्षा
		● गर्भावस्था
		— सामान्य
		— उच्च जोखिम
		— प्रासविक विकार
		● प्रसव
		— सामान्य
		— असामान्य
		● सामान्य नवजात—प्रसव वार्ड में तात्कालिक देखभाल
		● उच्च जोखिम वाले नवजात—आईयूजीआर, परिपक्वता अवधि के बाद, उच्च जोखिम वाली माताओं के शिशु
		☐ प्रसूति विद्या में प्रयुक्त दवाएं और भ्रूण/नवजात के लिए उनका प्रभाव
यूनिट X		☐ **नवजात उपचर्या का परिचय**
		● नवजात उपचर्या की परिभाषा, अवधारणाएं और सिद्धांत
		● शब्दों की परिभाषाएं
		● प्रसव-पूर्व तथा प्रसवकालीन अवधि में नवजातों के लिए जोखिम कारक
		● एनआईसीयू में दाखिले के लिए मानदण्ड
		☐ उपचर्या प्रक्रिया
		☐ नवजात देखभाल के स्तर तथा नर्स की भूमिका
यूनिट XI	10	☐ **नवजात उन्नत जीवन सहायता**
		● नेमी देखभाल
		● प्रारंभिक उपाय
		● बैग तथा मास्क संवातन
		● वक्ष सम्पीडन
		● अंत:श्वासनली नलिका-प्रवेशन
		● दवाएं
यूनिट XII	10	☐ **संचार कौशल तथा अंतर्वैयक्तिक संबंध**
		● प्रक्रिया और विधियां
		● परिवार, स्टाफ तथा सहकर्मियों के साथ उत्तम आईपीआर तथा संचार स्थापित करना और बनाए रखना
		● बहुविषयक्षेत्रीय दल और नर्सों की भूमिकाएं
		☐ मार्गदर्शन और परामर्श

नैदानिक उपचर्या-II

विवरण :

यह पाठ्यक्रम सामान्य, उच्च जोखिम वाले तथा रुग्ण नवजातों की उपचर्यात्मक देखरेख के सिद्धांतों की समझ विकसित करने के लिए तैयार किया गया है ।

उद्देश्य :

पाठ्यक्रम समाप्त होने पर छात्र निम्न में समर्थ हो जाएगा :

1. नवजात देखभाल में अवधारणाएं और प्रवृत्तियां परिभाषित करना।
2. सामान्य और जन्म के समय न्यून भार वाले शिशुओं का आहार स्पष्ट करना ।
3. एनआईसीयू में संक्रमणों की रोकथाम के लिए नीतियों और क्रियाविधियों का वर्णन करना ।
4. शिशु के एनआईसीयू में भर्ती किए जाने पर अभिभावकों की प्रतिक्रिया और देखभाल का वर्णन करना।
5. नवजातों में सामान्य चिकित्सीय तथा शल्यक्रियात्मक समस्याओं से संबंधित उपचर्यात्मक प्रक्रियाओं पर चर्चा करना ।
6. नवजातों के मामले में की जाने वाली विभिन्न जांचों और क्रियाविधियों में नर्सों की भूमिका का वर्णन करना ।

कुल घंटे : 155

विषय	घण्टे	अंतर्वस्तु
यूनिट I	15	☐ **परिचय**
		● नवजात उपचर्या के सिद्धांत
		● नवजात नर्स की अभिवृत्तियां
		☐ सामान्य माता-शिशु संबंध
		☐ रुग्ण/असामान्य शिशु के जन्म का परिवार पर प्रभाव

विषय	घण्टे	अंतर्वस्तु
		• शिशु को एनआईसीयू में दाखिल किए जाने पर उसके अभिभावकों की प्रतिक्रिया • शोक की प्रक्रिया • दबाव के कारण, प्रभाव और देखभाल • परिवार की वैयक्तिक और सामाजिक समस्याएं
यूनिट II	20	❑ **सामान्य नवजात** • परिभाषाएं और पारिभाषिक शब्द • नवजात की जांच • शिशु में खतरे के संकेतों की पहचान • सामान्य लघु नवजात विकार ❑ **सामान्य नवजातों की देखभाल** • तात्कालिक देखभाल • नेमी देखभाल-परिवर्ती देखभाल • दैनिक देखभाल-घरेलू देखभाल ❑ नवजात का शरीरक्रियावैज्ञानिक अनुकूलन ❑ तापनियमन तथा अल्पतप्तता की रोकथाम ❑ कंगारू मातृदेखभाल (केएमसी) ❑ तरल तथा विद्युत-अपघट्य संतुलन
यूनिट III	15	❑ **नवजात को आहार** • स्तन और दुग्ध स्राव का शरीरक्रियाविज्ञान • आहार और पोषण के सिद्धांत • सामान्य शिशुओं को आहार • स्तनपान कराना तथा स्त्न्य स्रवण बनाए रखना • स्तनपान कराने से संबंधित समस्याओं की देखरेख करना • एलबीडब्ल्यू शिशुओं को आहार • कृत्रिम ढंग से आहार—आंत्र के माध्यम से, आंत्रेतर कटोरी चम्मच, पेट की नली से आहार • पूर्णतः आंत्रेतर पोषण (टीपीएन) • तरल तथा विद्युत-अपघट्य संतुलन
यूनिट IV	10	❑ **संक्रमणों की रोकथाम** • एनआईसीयू में संक्रमणों की रोकथाम के सिद्धांत • मानक सुरक्षोपाय • हाथ धोना • गृह व्यवस्था नेमी कार्य • विसंक्रमण और निर्जीवाणुकरण ❑ जैव-चिकित्सीय अवशिष्ट का प्रबंध
यूनिट V	10	❑ **जन्म के समय न्यून भार के शिशु** • एलबीडब्ल्यू की कोटियां

विषय	घण्टे	अंतर्वस्तु
		• निदानशास्त्र • समय-पूर्व तथा जन्म के समय के अनुसार न्यून भार वाले शिशुओं की पहचान • समय-पूर्व तथा जन्म के समय के अनुसार न्यून भार वाले शिशुओं की समस्याएं • देखरेख : सिद्धांत, तापनियमन, आहार, मानीटरन, परिवहन, विशेष रोगों की देखरेख
यूनिट VI	30	❑ **रुग्ण नवजात** • नवजात मानीटरन तथा प्रेक्षण • नवजातों में खतरे के संकेत • श्वसन समस्याएं : श्वासावरोध, नियोनैटोरम, अश्वसन, श्वसन कष्ट संलक्षण (आरडीएस), श्वसन संक्रमण • नवजात पूतिता • नवजात पीलिया • आक्षेप और तांत्रिका विज्ञानी विकार • चयापचयी विकार • परिगलनकारी ऐंट्रोकोलाइटिस (एनईसी) • एचआईवी : संचरण तथा एंटी-रिट्रोवाइरल (एआरवी) चिकित्सा • नवजात संबंधी समस्याओं का आपातिक उपचार
यूनिट VII	25	❑ **नवजात और शल्यक्रियात्मक विकार** • प्रसव अभिघात • जन्मजात कुरचनाएं : पहचान और देखरेख • नवजात की विभिन्न शल्यक्रियात्मक क्रियाविधियों सहित आपरेशन से पूर्व और उसके बाद उपचर्यात्मक देखभाल : खण्डोष्ठ और तालु, ग्रासनली अछिद्रता तथा श्वास प्रणाल ग्रासनली नालव्रण, सहज अतिवृद्धिज जठर निर्गम संकीर्णता, हिर्शस्प्रुंग रोग, अद्वार गुदा, मलाशय योनि नालव्रण (आरवीएफ) अयुक्त मेरुदंड, मैनिंगोमाइलोसील, जलशीर्ष, अस्थानिक मूत्राशय विवर्तन, जन्मजात हृदय रोग
यूनिट VIII	30	❑ **नवजात संबंधी क्रियाविधियां** ❑ दवाओं से चिकित्सा के सिद्धांत, दवाएं देना, सामान्यतः प्रयुक्त दवाएं ❑ तापमान की रिकार्ड रखने के सिद्धांत और इसके नैदानिक प्रभाव ❑ नमूनों का संग्रहण ❑ क्रियाविधियों और चिकित्साओं में सहायता देना

विषय	घण्टे	अंतर्वस्तु
		❑ उपकरणों का प्रयोग और निर्माण ❑ नवजातों के रिकार्ड ❑ नवजातों का मानीटरन ❑ रुग्ण नवजातों का दाखिला और तबादला

पर्यवेक्षण और देखभाल, नैदानिक शिक्षण, प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी

कुल घंटे : 90

खण्ड-ए	पर्यवेक्षण और देखभाल	30 घंटे
खण्ड-बी	नैदानिक शिक्षण	30 घंटे
खण्ड-सी	प्रारंभिक अनुसंधान और सांख्यिकी	30 घंटे

विवरण

यह पठ्यक्रम पर्यवेक्षण और देखभाल, नैदानिक शिक्षण तथा अनुसंधान के सिद्धांतों की समझ विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है ।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न कार्यों में सक्षम होना चाहिए :

1. व्यावसायिक प्रवृत्तियों का वर्णन करना।
2. नवजात देखरेख में उपचर्या कार्मिकों की देखभाल और पर्यवेक्षण में नर्स की भूमिका का वर्णन करना।
3. नवजात उपचर्या के संबंध में नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य कार्मिकों को शिक्षित करना।
4. अनुसंधान प्रक्रिया का वर्णन करना और मूल सांख्यिकीय परीक्षण करना।
5. नवजात उपचर्या में अनुसंधान की योजना बनाना और उसे कार्यरूप देना।

विषय	घण्टे	अंतर्वस्तु
यूनिट-1	20	**पर्यवेक्षण और देखभाल** ❑ देखभाल ● परिभाषा और सिद्धांत ● नवजात देखरेख की देखभाल के तत्व: योजना बनाना, कार्यान्वित करना, स्टाफ व्यवस्था, रिपोर्ट देना, रिकार्ड रखना और बजट तैयार करना ● एनआईसीयू देखभाल: समय, सामग्री और कार्मिक ● एक आदर्श एनआईसीयू का लेआउट और डिजाईन – नवजातों के परिवहन की योजना बनाना – परिवहन के लिए व्यक्तियों और सामग्री की योजना बनाना – एक आदर्श परिवहन इन्क्यूबेटर ❑ **नैदानिक पर्यवेक्षण** ● पर्यवेक्षक का परिचय, परिभाषा और उद्देश्य
		● पर्यवेक्षण के सिद्धांत और कार्य ● पर्यवेक्षकों के गुण ● नैदानिक पर्यवेक्षकों के दायित्व ● नवजात यूनिटों के व्यवहार मानक : –नीतियां और क्रियाविधियां –मानक आदेश और प्रोटोकाल स्थापित करना ● नए भर्ती के लिए दिशा-अनुकूलन कार्यक्रम ❑ **नवजात यूनिटों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम** ● उपचर्या जांच ❑ निष्पादन मूल्यांकन ● निष्पादन मूल्यांकन के सिद्धात ● निष्पादन आकलन के साधन –क्रम निर्धारण पैमाने –पड़ताल सूचियां –समकक्ष समीक्षाएं –स्व-आकलन ❑ **स्टाफ विकास** ● परिचय और प्रयोजन ● सेवाकालीन शिक्षा ● अविच्छिन्न शिक्षा
यूनिट-2	5	❑ **व्यावसायिक प्रवृत्तियां** ● परिचय ● नीतिशास्त्र, व्यावसायिक आचरण संहिता और भारत में नर्सों के व्यवहार मानक ● नवजातों की देखभाल में नैतिक मुद्दे ● नर्से की विस्तारित भूमिका : विशेषज्ञ नर्स, व्यावसायिक आदि ● व्यावसायिक संगठन ● नवजात नर्स की अभिवृत्तियां
यूनिट-3	5	❑ **चिकित्सीय-विधिक पक्ष** ● नवजात देखभाल से संबंधित कानून और विनियम ● उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (सीपीए) ● लापरवाही और कदाचार ● नर्सों के विधिक दायित्व –अस्पताल में सेवाओं में लापरवाही से संबंधित निर्णयों के मामला अध्ययन ● चिकित्सीय-विधिक पक्ष-परित्यक्त शिशु, अनाथालय में भेजना, दत्तक-ग्रहण सेवाएं, यूनिट से नवजातों का गुम हो जाना, शवों का संरक्षण, अध्ययन के प्रयोजन के लिए विभिन्न संस्थानों को अंतरित करना

विषय	घण्टे	अंतर्वस्तु
		● रिकार्ड और रिपोर्टें
		● विधिक मुद्दों में नर्स की भूमिका
यूनिट-4	30	❐ **अध्यापन - अधिगम प्रक्रिया**
		● परिचय और अवधारणाएं
		● अध्यापन और अधिगम के सिद्धांत
		● अधिगम लक्ष्य तैयार करना
		● पाठ योजना बनाना
		● शिक्षण विधियां
		–लेक्चर
		– निदर्शन, अनुकरण
		– चर्चा
		– नैदानिक शिक्षण विधियां
		– सूक्ष्म शिक्षण
		– स्व-अधिगम
		● मूल्यांकन
		– छात्रों का आकलन
		● प्रयोजन
		● कोटि
		● उपाय
		● ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति का आकलन करने के लिए साधन
		● अध्यापन अधिगम प्रक्रिया में मीडिया का प्रयोग
यूनिट-5	30	❐ **अनुसंधान**
		● अनुसंधान और अनुसंधान प्रक्रिया
		● अनुसंधान की कोटियां
		● अनुसंधान समस्या/प्रश्न
		● साहित्य की समीक्षा
		● अनुसंधान दृष्टिकोण और डिजाइन
		● प्रतिदर्श
		● डाटा संग्रहण : साधन और तकनीक
		● डाटा का विश्लेषण और व्याख्या
		● अनुसंधान का संचार और उपयोग
		● नवजात देखभाल में अनुसंधान प्राथमिकताएं
		❐ **सांख्यिकी**
		● डाटा के स्रोत और प्रस्तुति
		– गुणवत्तात्मक तथा मात्रात्मक
		– सारणीकरण, आवृत्ति विभाजन, शतमक
		– भौगोलिक प्रस्तुति
		● केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप–माध्य, माध्यिका, बहुलक
		● प्रसरण के माप
		● सामान्य प्रायिकता तथा सार्थकता परीक्षण
		● सांख्यिकीय पैकेज और उनका अनुप्रयोग
		● अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करना
		❐ कम्प्यूटरों का अनुप्रयोग

अध्यापन —अधिगम क्रियाकलाप

(i) अध्यापन की विधियां

- ◆ लेक्चर
- ◆ निदर्शन और चर्चा
- ◆ पर्यवेक्षित अभ्यास
- ◆ संगोष्ठी
- ◆ भूमिका निर्वाह
- ◆ कार्यशाला
- ◆ सम्मेलन
- ◆ कौशल प्रशिक्षण
- ◆ अनुकरण
- ◆ क्षेत्रीय दौरे
- ◆ अनुसंधान परियोजना

(ii) दृश्य श्रव्य सहायक सामग्री

- ◆ ओवरहैड प्रोजेक्टर
- ◆ स्लाइड प्रोजेक्टर
- ◆ ब्लैकबोर्ड
- ◆ ग्राफिक सहायक सामग्री
- ◆ कार्यक्रमित-वीडियो कार्यक्रम
- ◆ माडल और नमूने
- ◆ एलसीडी प्रोजेक्टर
- ◆ कम्प्यूटर

(iii) आकलन की विधियां

- ◆ लिखित परीक्षा
- ◆ वस्तुनिष्ठ प्रकृति
- ◆ संक्षिप्त टिप्पणियां
- ◆ ऐसाइनमेंट्स
- ◆ मामला अध्ययन/देखभाल टिप्पणियां
- ◆ नैदानिक प्रस्तुति
- ◆ संगोष्ठियां
- ◆ परियोजना

अनिवार्य नैदानिक/प्रायोगिक क्रियाकलाप

1.	रोगी देखभाल कार्य	
2.	आर्बटित नवजातों के लिए उपचर्या देखभाल योजना लिखना	
3.	एक स्तन्यस्रवण नर्स के रूप में काम करना	
4.	मामला अध्ययन लिखन	5
5.	मामला प्रस्तुतियां	5
6.	प्रेक्षण रिपोर्ट लिखना	
7.	योजनाबद्ध स्वास्थ्य शिक्षण	5
8.	परियोजना	1

9. नैदानिक शिक्षण
10. रोगी शय्या के दौरे
11. नैदानिक आवर्तन योजना तैयार करना
12. छात्रों के लिए नैदानिक शिक्षण योजना तैयार करना
13. छात्रों/स्टाफ का नैदानिक मूल्यांक करना
14. यूनिट देखरेख योजना—डिजाइन करना
15. पर्यवेक्षण तकनीक—यूनिट रिपोर्ट लिखना, निष्पादन मूल्यांकन, मार्गदर्शन स्टाफ आबंटन, सामग्री प्रबंध
16. रिकार्ड और रिपोर्टें रखना

अनिवार्य नवजात उपचर्या कौशल

I. प्रेक्षित क्रियाविधियां

i. ईको कार्डियोग्राम
ii. अल्ट्रासाउंड हैड
iii. आरओपी स्क्रीनिंग (कालपूर्वता की दृष्टिपटल विकृति)
iv. कोई अन्य

II. सहाय्यित क्रियाविधियां

i. उन्नत नवजात जीवन सहायता
ii. कटिवेधन
iii. धमनी रुधिर गैस
iv. ईसीजी रिकार्डिंग
v. नाभि कैथीटर प्रवेशन-धमनी और शिरा
vi. धमनी बीपी मानीटरन
vii. रक्ताधान-रक्ताधान का विनिमय पूर्ण और आंशिक
viii. IV कैन्यूलैशन तथा चिकित्सा
ix. धमनी कैथीटर प्रवेशन
x. वक्ष नली प्रवेशन
xi. अंत:श्वासनली नलिका प्रवेशन
xii. संवातन
xiii. दीर्घरेखा प्रवेशन

III. निष्पादित क्रियाविधियां

i. वायुमार्ग देखरेख
   (क) मुखग्रसनी वायुमार्ग का अनुप्रयोग
   (ख) आक्सीजन चिकित्सा
   (ग) सीपीएपी (अविच्छिन्न सकारात्मक वायुमार्ग दाब)
   (घ) श्वासप्रणाल छिद्रीकरण की देखभाल
   (ङ) अंत:श्वासनली नलिका प्रवेशन
ii. नवजात पुनरुज्जीवन
iii. नवजातों का मानीटरन—नैदानिक रूप से तथा मानीटरों सहित, सीआरटी (कैपिलरी रिफिल अवधि), पीलिये का आकलन, ईसीजी
iv. जठर धावन
v. संवातक लगाना
vi. फोटो चिकित्सा
vii. नवजातों का आकलन : जोखिम तत्वों की पहचान और आकलन, एपीजीएआर स्कोर, सगर्भता अवधि, मानवमितीय आकलन, शिशु का भार लेना, नवजात की जांच, जीवन घातक जन्मजात असमान्यताओं का पता लगाना
viii. नवजातों को दाखिल करना और उन्हें छुट्टी देना।
ix. आहार-स्तनपान की देखरेख, कृत्रिम् आहार, स्तन्य दुग्ध को कृत्रिम रूप से निकालना, ओजी (औरोगैस्ट्रिक) नलिका प्रवेशन, पेट की नली से आहार, टीपीएन, स्तनपान कराने संबंधी परामर्श।
x. ताप नियमन-कक्षीय तापमान, कंगारू मातृ देखभाल (केएमसी), विकिरण वार्मर का प्रयोग, इन्क्यूबेटर, ताप नियमन की देखरेख और नियंत्रण।
xi. दवाएं देना : आई/एम, आईवी इंजेक्शन, आईवी कैन्यूलेशन तथा फिक्सेशन इन्फ्यूजन पम्प, खुराकों की गणना, नवजातों के लिए दवाएं तैयार करना, ट्यूबरक्यूलिन/इन्सूलिन, सिरिंजों का प्रयोग, तरल चिकित्सा का मानीटरन, रक्ताधान।
xii. संक्रमणों की रोकथाम के लिए क्रियाविधियां : हाथ धोना, विसंक्रमण तथा निवर्जीवाणुकरण, निगरानी, धूम्रीकरण।
xiii. नमूनों का संग्रहण
xiv. बुनियादी उपकरण लगाना, उनका प्रयोग तथा रखरखाव : संवातक, O_2 विश्लेषक, मानीटरन उपकरण, फोटो चिकित्सा यूनिट, फ्लक्स, मीटर, इन्फ्यूजन पंप, विकिरण वार्मर, इन्क्यूबेटर, सेन्ट्रीफ्यूज मशीन, बिलीमिटर, रिफ्रैक्टोमीटर, लेमीनर प्रवाह।

IV. अन्य क्रियाविधियां

टी. दिलीप कुमार, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/असा./102/07]

INDIAN NURSING COUNCIL
NOTIFICATION

New Delhi, the 21st November, 2007

POST BASIC DIPLOMA IN NEONATAL NURSING—SYLLABUS AND REGULATIONS

F. No. 11-1/2007-INC.—In exercise of the powers conferred by Section 16 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), the Indian Nursing Council hereby makes the following Regulations namely :—

Short Title and Commencement :— (1) These Regulations may be called the "Post Basic Diploma in Neonatal Nursing-2006".

(2) These regulations will become effective from the Session 2006-07.

Guidelines for Starting the Post Basic Diploma in Neonatal Nursing

THE PROGRAMME MAY BE OFFERED AT

(A) The Government (State/Center/Autonomous) nursing teaching institution offering diploma or degree programmes in nursing having parent/ affiliated Government Hospital facilities of "level II/III neonatal units".

or

(B) Other non-Govt. nursing teaching institution offering diploma or degree programmes in

ursing having parent Hospital facilities of "level II/III neonatal units".

or

(C) 250—500 bedded Hospital, which has a specific level II or III neonatal units.

RECOGNITION PROCEDURE

1. Any institution which wishes to start post basic diploma in neonatal nursing should obtain the No Objection/Essentiality certificate from the State Government. The institutions which are already recognized by INC for offering diploma/ degree programmes in nursing are exempted for obtaining the No Objection/Essentiality certificate.
2. The Indian Nursing Council on receipt of the proposal from the Institution to start this nursing program will undertake the inspection to assess suitability with regard to physical infrastructure, clinical facility and teaching faculty in order to give permission to start the programme.
3. After the receipt of the permission to start the nursing programme from Indian Nursing Council, the institution shall obtain the approval from the State Nursing Council and Examination Board/University.
4. Institution will admit the students only after taking approval of State Nursing Council and Examination Board/University.
5. The Indian Nursing Council will conduct inspection for two consecutive years for continuation of the permission to conduct the programme.

STAFFING

1. Full time teaching faculty in the ratio of 1: 5.
   Qualification : M.Sc. Nursing with pediatric nursing Specialty.
   Experience : Minimum 3 years.
2. **Guest faculty** - Multi-disciplinary in related specialties

BUDGET

There should be budgetary provision for staff salary, honorarium for part time teachers, clerical assistance, library and contingency expenditure for the programme in the overall budget of the institution.

PHYSICAL FACILITIES

1. **Class room** - 1.
2. **Nursing Laboratory** -1.
3. **Library** - Permission to use medical/hospital library having current nursing text books and journals in pediatric and neonatal nursing.
4. **Teaching Aids** - Facilities for the use of
   - Overhead projector
   - Slide Projector
   - TV with VCP or VCR
   - 1 D projector.
   - Computer
   - Equipment for demonstration of skills(neonatal manikins, resusci baby, ambubag and mask, care equipments etc).
5. **Office facilities**
   - Services of typist, peon, safai karamchari
   - Facilities for office, equipment and supplies, such as
     — Stationary
     — Computer with printer
     — Xerox machine /Risograph
     — Telephone and fax.

CLINICAL FACILITIES

Minimun Bed strength.

- 250—500 beds and level II/III NICU facility
- NICU beds : ≥ 10

ADMISSION TERMS AND CONDITIONS

The student seeking admission to this course should :

1. Be a registered nurse (R.N & R.M) or equivalent.
2. Possess a minimum of one year experience as a staff nurse.
3. Nurses from other countries must obtain an equivalence certificate from INC before admission.
4. Be physically fit.
5. No. of seats—
   - ☐ Hospital which is having 250-500 beds (10 NICU beds) No. of seats = 5—10.
   - ☐ Hospital having more than 500 beds (20 or more NICU beds) No. of seats = 10—20.

ORGANIZATION OF THE COURSE

I. DURATION : Duration of the course is one academic year.

II. DISTRIBUTION OF THE COURSE :

1. Teaching: Theory and Clinical practice	42 weeks
2. Internship	4 weeks
3. Examination (including preparation)	2 weeks
4. Vacation	2 weeks
5. Public holidays	2 weeks
	52 weeks

III. COURSE OBJECTIVES :

General Objective

At the end of the course the student will be able to develop an understanding of philosophy, principles, methods and issues, management, education and research in neonatal nursing. Further more, this course will enable them to develop skills and attitude in providing competent neonatal nursing care.

Specific Objectives :

At the end of the course the student will be able to

1. Describe the concepts and principles of neonatal nursing.
2. Communicate effectively, foster actively a family-child relationship
3. Demonstrate skill in providing essential newborn care.

4. Perform neonatal advance life support skills.
5. Apply nursing process in caring of neonates receiving intensive care.
6. Participate effectively as a member of the health team.
7. Organize and demonstrate skills in management of neonatal services.
8. Make a plan for organization of Level II and III neonatal units.
9. Conduct research in neonatal nursing.
10. Teach and supervise nurses and allied health workers.

IV. COURSE OF STUDIES :

	Theory	Practical
1. Clinical Nursing-I (Inclusive of foundation courses)	155 Hours	Integrated Clinical Practice
2. Clinical Nursing-II	155 Hours	
3. Supervision and Management, Clinical Teaching, Elementary Research and Statistics		1280 Hours
(i) Supervision and Management	30 Hours	
(ii) Clinical Teaching	30 Hours	
(iii) Elementary Research and Statistics	30 Hours	
4. Internship		160 Hours
Total	**400 Hours**	**1440 Hours**

❒ Hours distribution for theory and practice
42 weeks × 40 hours/week
= 1680 hours

❒ Block classes 4 weeks × 40 hours/week
= 160 hours

❒ Integrated theory and clinical practice
38 weeks × 40 hours/week
= 1520 hours

---(Theory 400 hrs.)* Theory 6 hours/week
38 weeks × 6 hours/week
= 240 hours

---Clinical experience 34 hours/weeks
38 weeks × 34 hours/week
= 1280 hours

❒ Internship : 4 weeks × 40 hours = 160 hours

V. CLINICAL EXPERIENCE

Areas of clinical experience required :

***Neonatal Services —38 weeks**

[Labor room (4 weeks), Postnatal ward (4 weeks), Newborn units NICU (24 weeks), Pediatric surgery NICU (2 weeks), Community/follow up services/clinics (4 weeks), * all shifts].

* Two weeks evening and two weeks night.

VI. EXAMINATION SCHEME

	Int. Ass. Marks	Ext. Ass. Marks	Total Marks	Duration (in hours)
A. Theory				
Paper I - Clinical Nursing I	50	150	200	3
Paper II - Clinical Nursing II	50	150	200	3
Paper III - Supervision and Management, Clinical Teaching, Elementary Research and Statistics	50	150	200	3
B. Practical				
Clinical Nursing (teaching and supervision to be integrated)	100	100	200	
Grand Total	**250**	**550**	**800**	

C. Conditions for Admission to Examination

The Student :

1. Has attended not less than 75% of the theoretical instruction hours in each subject during the year.

2. Has done not less than 75% of the clinical practical hours. However, students should make up 100% of attendance for integrated practice experience and internship in term of hours and activities before awarding the certificate.

VII. EXAMINATION

The examination to be conducted by the State Nursing Registration Council/State Nursing Examination Board/University recognized by the Indian Nursing Council.

VIII. STANDARD OF PASSING

1. In order to pass a candidate should obtain at least 50% marks separately in internal assessment and external examination in each of the theory. practical and papers.

2. (a) Less than 60% is Second Division,
(b) 60% and above and below 75% is First Division,
(c) 75% and above is Distinction.

3. Students will be given opportunity of maximum of 3 attempts for passing.

IX. CERTIFICATION

A. TITLE - Post Basic Diploma in Neonatal Nursing.

B. A diploma is awarded upon successful completion of the prescribed study programme, which will state that—

(i) Candidate has completed the prescribed course of Neonatal Nursing.

(ii) Candidate has completed prescribed clinical experience.

(iii) Candidate has passed the prescribed examination.

CLINICAL NURSING—I
(Including Foundation Courses)

Description

This course is designed to develop an understanding of the principles of related biological and behavioral sciences, and obstetrical and neonatal nursing including neonatal resuscitation.

Objectives

At the end of the course the student will be able to :

1. Describe the principles of behavioral, biological and nursing sciences as applied to neonatal nursing.
2. Detect deviations in mothers and fetus from normal during antenatal and intranatal periods.
3. Explain the development of the feotus from conception to term.
4. Describe the role of the nurse in prevention and management of high-risk neonates.
5. Describe the concepts and principles of neonatal Nursing.
6. Perform Neonatal Advanced Life Support.
7. Describe levels of neonatal care and the role of Nurse.
8. Describe Nursing process pertaining to neonatal care.
9. Describe the physical, physiological and emotional changes occurring during antenatal and intranatal periods.

Subject	Hours	Content
1	2	3
Unit I	10	**Psychology** ❒ Review • Individual differences • Learning, Motivation, attention and perception • Emotions • Human behavior and needs in crisis • Stress and coping in crisis situations • Leadership • Communication and IPR • Counselling • Attitudes and humanizing care
Unit II	10	**Sociology** ❒ Review • Social organization and community resources • Leadership roles in community • Family and family relationships • Socio cultural influences on child rearing
Unit III	10	**Microbiology** ■ Review • Immunity • Infection • Principles of asepsis, Sterilization and disinfection • Diagnostic tests in Microbiology and related nurses' responsibility • Standard safety measures and biomedical waste management
Unit IV	20	**Applied Anatomy and Physiology** ■ Review • Neurological system • Respiratory system • Cardiovascular system • Gastro intestinal system • Endocrine system • Musculoskeletal system • Genitourinary system • Reproductive system • Sensory organs
Unit V	10	**Embryology** • Development of fetus from conception to birth • Fetal circulation
Unit VI	10	**Pharmacology** ■ Review • Pharmacokinetics • Definition of terms • Risk factors for neonates in antenatal and intranatal period • Criteria for admission to NICU ■ Nursing process ■ Levels of neonatal care and role of nurse
Unit XI	10	■ **Neonatal advance life support** • Routine care • Initial steps • Bag and mask ventilation • Chest compression • Endo tracheal intubation. • Drugs
Unit XII	10	■ **Communication Skills and IPR** • Process and methods • Establishing and maintaining good IPR and communication with family, staff and colleagues • Multidisciplinary team and rore of nurses • Guidance and Counseling

CLINICAL NURSING—II

Description :

This course is designed to develop an understanding of the principles of nursing management of normal, high risk and sick neonates.

Objectives :

At the end of the course the student will be able to :

1. Define concepts and trends in neonatal care.
2. Explain feeding of normal and low birth babies.
3. Enumerate policies and procedures for prevention of infections in NICU.
4. Describe the reaction and management of parents on admission of a baby to NICU.
5. Discuss nursing process pertaining to common medical and surgical problems in Neonates.
6. Describe nurses role in various investigations and procedures carried out on Neonates.

Total Hours : 155

Subject	Hours	Content
1	2	3
Unit I	15	❒ **Introduction** • Principles of Neonatal Nursing. • Attributes of a neonatal nurse ❒ Normal mother-baby relationship ❒ Impact of birth of a sick/abnormal baby on the family • Reaction of parents to the admission of their baby to NICU • Grief process causes, effects and management of stress • The personal and social problems of the family.
UNIT II	20	❒ **Normal Newborn** • Definitions and terminology • Examination of newborn • Recognition of danger signs in a baby • Common minor neonatal disorders ❒ Care of normal newborns • Immediate care • Routine care-Transition care • Daily care- Home care ❒ Physiological adaptation of the neonate ❒ Thermoregulation and prevention of hypothermia ❒ Kangaroo Mother Care (KMC) ❒ Fluid and electrolyte balance
UNIT III	15	❒ **Neonatal Feeding** • Physiology of breast and milk secretion • Principles of feeding & nutrition. • Feeding of normal babies • Breast feeding & maintenance of lactation • Managing breast feeding problems • Feeding of LBW babies • Artificial feeding - Enteral, parenteral, Katori spoon, Gavage feeding • Total Parentral Nutrition(TPN) • Fluid & electrolyte therapy
UNIT IV	10	■ **Prevention of Infections** • Principles of prevention of infections in NICU • Standard safety measures Hand washing • Housekeeping routines • Disinfections & sterilization ❒ **Biomedical waste management**
UNIT V	10	❒ **Low birth weight baby** • Types of LBW • Etiology. • Identification of preterm & Small for date babies • Problems of preterm & Small for date babies • Management: principles, thermoregulation, feeding, monitoring. transportation, management of specific illnesses
UNIT VI	30	❒ **Sick neonate** • Neonatal monitoring observations • Danger signs in newborns • Respiratory problems Asphyxia neonatorum, apnea, Respiratory Distress syndrome (RDS), meconium aspiration syndrome, respiratory infections • Neonatal sepsis • Neonatal jaundice • Convulsions and neurological disorders • Metabolic disorders • Necrotizing Entrocolitis (NEC)

1	2	3
		● HIV: transmission and Anti-Retroviral (ARV) Therapy ● Emergency treatment of neonatal problems
UNIT VII	25	❑ **Neonate with Surgical disorders** ● Birth trauma ● Congenital malformations: Identification and management ● Pre and post Operative nursing care of a neonate with various surgical procedures: cleft lip and palate, Esophageal atresia and Tracheoesophageal fistula, congenital hypertrophic pyeloric stenosis, Hirschsprungs' disease, Imperforated anus, Recto vaginal fistuala (RVF), Spina bifida, Meningo myelocele, Hydrocephalu's,, Extrophy of bladder, Congenital heart disease
UNIT VIII	30	❑ **Neonatal procedures** ❑ **Principles of Drug therapy,** administration of drugs, commonly used drugs ❑ Principles of Temperature maintenance and its clinical disorders ❑ Collection of specimens ❑ Assisting with procedures and therapies ❑ Use and maintenance of equipment ❑ Neonatal records ❑ Neonatal monitoring ❑ Admission and transfer of sick neonates

SUPERVISION and MANAGEMENT, CLINICAL TEACHING, ELEMENTARY RESEARCH AND STATISTICS

Total Hours: 90

Section - A Supervision and Management —30 Hrs.

Section - B Clinical Teaching —30 Hrs.

Section - C Elementary Research and Statistics —30 Hrs.

Description

This course is designed to develop an understanding of the principles of supervision and management, clinical teaching and research.

Objectives

At the end of the course the student will be able to :

1. Describe Professional trends.
2. Describe role of nurse in management and supervision of nursing personnel in neonatal care.
3. Teach nurses and allied health workers about neonatal nursing.
4. Describe research process and perform basic statistical tests.
5. Plan and conduct research in neonatal nursing

Subject	Hours	Content
1	2	3
UNIT I	20	**SUPERVISION AND MANAGEMENT** ❑ Management ● Definition and Principles ● Elements of management of neonatal care:—Planning. Organizing, Staffing, Reporting, Recording and Budgeting ● NICU management—Time, material and personnel. ● Layout and Design of an Ideal NICU. ● Neonatal transport services — Planning of transport of neonates —Planning Men & Material for transportation —An Ideal transport incubator ❑ Clinical Supervision ● Introduction, definition and objectives of supervision ● Principles and Functions of supervision ● Qualities of supervisors ● Responsibilities of clinical supervisors ● Practice Standards of neonatal units —Policies and Procedures —Establishing Standing Orders and Protocols ● Orientation programme for new recruits ❑ Quality Assurance Programme in neonatal units ● Nursing audit ❑ Performance Appraisal ● Principles of performance evaluation ● Tools of performance appraisal —Rating scales

1	2	3
		— Checklists — Peer reviews — Self appraisals ❑ **Staff development** ● Introduction & purposes ● In-service education ● Continuing education
UNIT II	5	❑ **Professional trends** ● Introduction ● Code of Ethics, code of professional conduct and practice standards of Nursing in India ● Ethical issues in neonatal care ● Expanding role of the nurse: Specialist nurse, Nurse Practitioner etc. ● Professional organizations
UNIT III	5	❑ **Medico-Legal aspects** ● Legislations and regulations related to neonatal care ● Consumer Protection Act (CPA) ● Negligence & Malpractice ● Legal responsibilities of nurses - Case studies of judgment with regard to negligence of services in the Hospital ● Medico legal aspects - abandoned babies, transfer to orphanage, adoption services, loss of neonates from the unit, preservation of cadavers, transfer to various institutions for study purpose ● Records and Reports ● Role of the nurse in Legal issues
UNIT IV	30	❑ **Teaching learning process** ● Introduction and concepts ● Principles of teaching and learning. Formulation of learning objectives ● Lesson Planning ● Teaching methods - Lecture - Demonstration, Simulation - Discussion - Clinical teaching methods - Micro teaching - Self learning ● Evaluation - Assessment of Students ● Purposes ● Type ● Steps ● Tools for assessing knowledge, skill and attitude ● Use of media in teaching learning process
UNIT V	30	❑ **Research** ● Research and research process ● Types of Research ● Research Problem/ Question ● Review of Literature ● Research approaches and Sampling designs ● Data collection: Tools and techniques ● Analysis and interpretation of data ● Communication and utilization of Research ● Research priorities in neonatal care ❑ **Statistics** ● Sources and presentation of Data - qualitative and quantitative - Tabulation; frequency -Distribution, percentiles - Graphical presentation ● Measures of central tendency — meanes; median. mode ● Measures of variance ● Normal Probability and tests of significance ● Co-efficient of correlation. ● Statistical packages and its application ● Preparing a research proposal ● Application of computers

TEACHING, LEARNING ACTIVITIES

(I) Methods of Teaching :

- Lecture
- Demonstration & Discussion
- Supervised practice
- Seminar
- Role play
- Workshop
- Conference
- Skill training
- Simulations
- Field visits

- Research project

(ii) A- V. Aids:

* Overhead projector
* Slide Projector
* Black board
* Graphic Aids
* Programmed - Video shows
* Models & Specimens
* LCD projector
* Computer

(iii) Methods of Assessment:

* Written examination
* Objective type
* Short notes
* Assignments
* Case studies/care notes
* Clinical presentation
* Seminars
* Project

ESSENTIAL CLINICAL/PRACTICAL ACTIVITIES

1. Patient Care Assignments
2. Writing of Nursing care plan for assigned neonates
3. Work as Lactation nurse
4. Writing case studies
5. Case presentations
6. Writing Observation report
7. Planned health teaching
8. Project
9. Clinical teaching
10. Conduct bedside rounds
11. Prepare clinical rotation plan
12. Prepare clinical teaching plan for students
13. Perform clinical evaluation of students/staff
14. Unit management plan— Designing
15. Supervision techniques— Writing unit report, Performance appraisal, Guidance, Staff assignment, Material management
16. Maintenance of Records and Reports

ESSENTIAL NEONATAL NURSING SKILLS

I. Procedures Observed:

i. Echo cardiogram
ii. Ultrasound head
iii. ROP screening (Retinopathy of prematurity)
iv. Any other

II. Procedures Assisted:

i. Advanced neonatal life support
ii. Lumbar Puncture
iii. Artertal Blood Gas
iv. ECG Recording
v. Umbilical catheterization - arterial and venous
vi. Arterial B P monitoring
vii. Blood transfusion-exchange transfusion full and partial
viii. IV cannulation & therapy
ix. Artertal catheterization
x. Chest tube insertion
xi. Endotracheal intubation
xii. Ventilation
xiii. Insertion of long line

III. Procedures Performed:

i. Airway Management
(a) Application of Oro Pharyngeal Airway
(b) Oxygen therapy
(c) CPAP (Continuous Positive Airway Pressure)
(d) Care of Tracheostomy
(e) Endotracheal Intubation

ii. Neonatal Resuscitation
iii. Monitoring of Neonates - clinically and with monitors, CRT (Capillary Refill Time), assessment of jaundice, ECG
iv. Gastric Lavage
v. Setting of Ventilators
vi. Phototherapy
vii. Assessment of Neonates: Identification and assessment of risk factors, APGAR Score, gestation age, Anthropometric assessment, Weighing the baby, Newborn examination, detection of life threatening congenital abnormalities.
viii. Admission and discharge of neonates
ix. Feeding - management of breast feeding, artificial feeding. expression of breast milk, OG (Orogastric) tube insertion, gavage feeding. TPN, Breast feeding counseling
x. Thermoregulation - Axillary temperature, "Kangaroo Mother Care (KMC)." Use of Radiant warmer, incubators, management of thermoregulation and control
xi. Administration of Drugs: I/M, (IV injection, IV Cannulation and fixation infusion pump, Calculation of dosages, Neonatal formulation of drugs, use of tuberculin/insulin' syringes, Monitoring fluid therapy, Blood administration.
xii. Procedures for prevention of infections: Hand washing, disinfections & sterilization, surveillance, fumigation
xiii. Collection of specimens
xiv. Setting, Use & maintenance of basic equipment: Ventilator. O_2 analyzer, monitoring equipment, Photo therapy unit, Flux meter, Infusion pump, Radiant warmer, incubator, Centrifuge machine, Bilimeter, Refractometer, laminar flow

IV. Other Procedures

T. DILEEP KUMAR, President
[ADVT-III/IV/Exty/102/07]

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.